मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–22

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.–22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) झगरा एक नवेरो राँम,
जें तुम्ह अपने जन सूँ काँम॥ टेक॥
ब्रह्म बड़ा कि जिनि रू उपाया,
बेद बड़ा कि जहाँ थैं आया॥
यह मन बड़ा कि जहाँ मन मानै,
राम बड़ा कि राँमहि जानैं।
कहै कबीर हूँ खरा उदास,
तीरथ बड़े कि हरि के दास॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) माया मुई न मन मुवा, मरि–मरि गया सरीर।

आसा त्रिष्णाँ नाँ मुई, यौं कहि गया कबीर॥

(ग) तन खोजौ नर करौ बड़ाई,

जुगति बिना भगति किनि पाई।

एक कहावत मुलाँ काजी,

राम बिना सब फोकटबाजी॥

नव ग्रिह बाँमण भणता रासी,

तिनहुँ न काटी जम कौ भासी।

कहै कबीर यहु तन काचा,

सबद निरंजन राँम नाँम साचा।

(घ) हरि ठग जगकौं ठगौरी लाई,

हरि कै वियोग कैसे जीऊँ मेरी माई।

कौन पुरिष को काको नारी,

अभिअंतरि तुम्ह लेहु विचारी॥

कौन पूत को काको बाप,

कौन मरैं को करै संताप॥

कहै कबीर ठग सौं मन माना,

गई ठगौरी ठग पहिचाना॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. कबीर के अध्ययन में आदिग्रंथ के महत्व पर विचार कीजिए। 10

3. कबीर के काव्य–ब्रह्म सम्बन्धी विचारों का विवेचन कीजिए। 10

4. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

5. "कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।" इस कथन के सन्दर्भ में कबीर की काव्यभाषा की चर्चा कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) कबीर के काव्य में अलंकार

(ख) कबीर के काव्य में कर्मकाण्ड विरोध

(ग) खेचरी मुद्रा

(घ) मध्यकालीन समाज और कबीर

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com